शहरी समाचार

नई सोच नई पहल

नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार का प्रकाशन

फरवरी, 2022 | वर्ष 02 | अंक 02 | नगरीय बुलेटिन | पृष्ठ :12 | मूल्यः निःशुल्क

प्रधान मंत्री आवास योजना–शहरी
Pradhan Mantri Awas Yojna-Urban

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

DAY-NULM
Deendayal Antyodaya Yojana-National Urban Livelihoods Mission

आत्मनिर्भर भारत

बेहतर कार्य एवं योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए सम्मान

बेघरों के जीवन में आया नया सवेरा, आश्रय गृह बने नया बसेरा

बेघरों को रेस्क्यू वाहन पहुंचाएगा आश्रय गृह

16,265	84,075	27,887	50,749
स्वयं सहायता समूहों (SHGs) का गठन	PMAY(U) आवासों का निर्माण पूर्ण	पीएम स्वनिधि ऋण वितरित	मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (MSY) जॉब कार्ड वितरित

इस अंक में

बेघरों के जीवन में आया नया सवेरा, आश्रय गृह बने नया बसेरा

बेघरों को रेस्क्यू वाहन पहुंचाएगा आश्रय गृह

हुनर को मिली पहचान, जीवन में भर रहीं नित नई उड़ान

आत्मनिर्भर होने के साथ-साथ समृद्ध भी हो रहे हैं स्ट्रीट वेंडर

योजनाओं के क्रियान्वयन में गति प्रदान करने और लक्ष्य हासिल करने पर जोर

'पीएम स्वनिधि' से मिली नई रफ्तार, बंद पड़े कारोबार में आई फिर से बहार

स्ट्रीट वेंडर्स का बढ़ा आत्मसम्मान, क्यूआर स्मार्ट कार्ड से मिली नई पहचान

जीरो वेस्ट थीम, रांची नगर निगम की नई मुहिम

परवान चढ़ी 'स्वच्छ सर्वेक्षण 2022' की तैयारी, राज्यभर के नगर निकाय निभा रहे अपनी पूरी भागीदारी

बेहतर कार्य एवं योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए सम्मान

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना ने दिया सहारा सूझबूझ और कड़ी मेहनत से खड़ा किया खुद का रोजगार

मिला पक्का मकान, जीवन ने भरी नई उड़ान

असहाय पतरस केरकेट्टा को मिला आश्रय गृह का सहारा

प्राकृतिक संपदा से भरपूर ऐतिहासिक व सांस्कृतिक धरोहर : बुंडू नगर पंचायत

संदेश

झारखंड सरकार राज्य के चहुंमुखी विकास के लिए कटिबद्ध है। उन्नत शहरें राज्य के आर्थिक विकास का पैमाना होती है। नगरों, शहरों एवं कस्बों की सुदृढ़ बुनियादी आधारभूत संरचनाएं एवं सेवाएं न सिर्फ शहरों के सौंदर्यीकरण में अभिवृद्धि करतीं हैं, अपितु स्वस्थ मानव संसाधन के विकास में भी अहम भूमिका निभाती है। इस उद्देश्य को पूर्ण करने के लिए नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार लगातार प्रयासरत है।

''शहरी समाचार'' का आगाज कोरोना महामारी के संक्रमण के दौरान ही हुआ था। वर्तमान में भी पूरी मानव जाति इस वैश्विक महामारी से निजात नहीं पा सकी है, बल्कि इस वायरस के नए वैरिएंट 'ओमिक्रॉन' के चलते नई चुनौती व कठिनाइयों का सामना अभी भी कर ही रही है। निदेशालय के ''शहरी समाचार'' का यह नवीन अंक निदेशालय के न्यूज लेटर की श्रृंखला के दूसरे वर्ष का दूसरा अंक है। ''शहरी समाचार'' के इस बुलेटिन द्वारा राज्य के सभी निकायों से जुड़ी छोटी-बड़ी गतिविधियों व नगर निकायों में संचालित व क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं से सम्बंधित कार्यों को संकलित कर प्रकाशित करने का एक छोटा सा प्रयास किया गया है। वस्तुत: प्रदेश में शीतलहर व ठंड का प्रकोप बढ़ने के बावजूद यह माह भी निदेशालय व राज्य के सभी नगर निकायों के लिए विशेष रूप से उपलब्धियों की अवधि साबित हुआ है।

''शहरी समाचार'' के फरवरी, 2022 के अंक में हमने राज्य के सभी स्थानीय निकायों की प्रमुख गतिविधियों- 'बेघरों के जीवन में आया नया सवेरा, 'आश्रय गृह बने नया बसेरा', 'हुनर को मिली पहचान, जीवन में भर रहीं नित नई उड़ान', 'आत्मनिर्भर होने के साथ-साथ समृद्ध भी हो रहे हैं स्ट्रीट वेंडर', 'बेघरों को रेस्क्यू वाहन पहुंचाएगा आश्रय गृह', , 'पीएम स्वनिधि से मिली नई रफ्तार, बंद पड़े कारोबार में आई फिर से बहार', 'योजनाओं के क्रियान्वयन में गति प्रदान करने और लक्ष्य हासिल करने पर जोर', 'स्ट्रीट वेंडर्स का बढ़ा आत्मसम्मान, क्यूआर स्मार्ट कार्ड से मिली नई पहचान', 'जीरो वेस्ट थीम, रांची नगर निगम की नई मुहिम', 'मिला पक्का मकान, जीवन ने भरी नई उड़ान', 'परवान चढ़ी 'स्वच्छ सर्वेक्षण 2022' की तैयारी, राज्यभर के नगर निकाय निभा रहे अपनी पूरी भागीदारी', 'असहाय पतरस केरकेट्टा को मिला आश्रय गृह का सहारा, 'मुख्यमंत्री श्रमिक योजना ने दिया सहारा सूझबूझ और कड़ी मेहनत से खड़ा किया खुद का रोजगार', 'बेहतर कार्य एवं योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए सम्मान', 'प्राकृतिक संपदा से भरपूर ऐतिहासिक व सांस्कृतिक धरोहर: बुंडू नगर पंचायत' से संबंधित गतिविधियों को संग्रहीत किया है।

विकसित शहरी अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाकर ही आर्थिक एवं सामाजिक रूप से परिवर्तन लाया जा सकता है। इसके लिए आवश्यक है कि शहरों का योजनाबद्ध तरीके से विकास हो तथा विकास के सभी कारकों को एक साथ मिलाकर उनका कार्यान्वयन कराया जाए। इस विश्वास के साथ मैं अपनी सभी सहयोगी संस्थाओं को अपनी जिम्मेवारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करने की अपील करती हूं। साथ ही उम्मीद करती हूं कि ''शहरी समाचार'' के फरवरी का यह अंक हम सब में जोश-जुनून का संचार करने के साथ-साथ ज्ञानवर्द्धक व हितकारी सिद्ध होगा।

विजया जाधव (भा.प्र.से.)

निदेशक,

नगरीय प्रशासन निदेशालय।

बेघरों के जीवन में आया नया सवेरा
आश्रय गृह बने नया बसेरा

'जीना तो बस उसी का जिसने ये राज जाना, है काम आदमी का औरों के काम आना', इस बात को पूरी तरह से चरितार्थ किया है राज्यभर के नगर निकायों ने। नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार के तत्वावधान में राज्यभर के नगर निकायों ने इस भीषण ठंड के मौसम में रात को फुटपाथ पर सोने वाले हजारों बेघर व बेसहारा लोगों को आश्रय गृह में ले जाकर उन्हें जीने का सहारा दिया है। वहां पर उनके लिए रहने व खाने आदि की मुकम्मल व्यवस्था भी की है। इस सिलसिले में दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM) के तहत राज्य भर के विभिन्न नगर निकायों में संचालित होने वाले आश्रय विहीनों के लिए स्थापित निःशुल्क आश्रय गृहों की व्यवस्था को राज्य सरकार द्वारा पहले से अधिक चुस्त-दुरूस्त भी किया जा रहा है। इस विशेष अभियान को ठंड के मौसम के मद्देनजर अधिक तेजी के साथ कार्यरूप दिया जा रहा है।

रात्रि में फुटपाथ पर सो रहे लोगों का रेस्क्यू करते अधिकारी।

राज्यभर के विभिन्न नगर निकायों में स्थापित कुल 56 आश्रय गृहों में 1585 बेड की व्यवस्था है। इनमें से वर्तमान में राजधानी रांची में कुल 10 आश्रय गृहों का संचालन किया जा रहा है, जिनमें से 9 पुरूष व 1 महिला आश्रय गृह शामिल हैं। इसी तरह जमशेदपुर में छह आश्रय गृहों का संचालन किया जा रहा है, जिनमें से तीन पुरूष व तीन महिला आश्रय गृह शामिल हैं। इसके अलावा मानगो नगर निगम क्षेत्र में एक पुरूष व एक महिला आश्रय गृह बनाए गए हैं। आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र में दो आश्रय गृह संचालित किए जा रहे हैं। इनमें एक पुरूष व एक महिला आश्रय गृह शामिल हैं। मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र में 1 आश्रय गृह संचालित किया जा रहा है। इनमें एक पुरुष व एक महिला आश्रय गृह शामिल हैं, जिसमें कुल 50 बेड की व्यवस्था है। धनबाद नगर निगम क्षेत्र में 3 आश्रय गृहों का संचालन किया जा रहा है। इनमें से 1 महिला व 2 पुरुष बेघरों के लिए बनाए गए हैं, जिसमें कुल 150 बेड की व्यवस्था है। देवघर नगर निगम क्षेत्र में 2 आश्रय गृहों का संचालन किया जा रहा है। इनमें से 1 पुरुष व 1 महिला बेघरों के लिए बनाए गए हैं, जिसमें कुल 100 बेड की व्यवस्था है। गढ़वा नगर परिषद क्षेत्र में 2 आश्रय गृह संचालित किए जा रहे हैं। इनमें 01 महिला व 01 पुरुष आश्रय गृह शामिल हैं, जिसमें कुल 50 बेड की व्यवस्था है।

महत्वपूर्ण गतिविधियाँ

- पूरे राज्य में जगह-जगह अलाव जलाकर गरीबों का हो रहा ठंड से बचाव
- राज्यभर के नगर निकाय भीषण ठंड में फुटपाथ पर सोने वाले हजारों बेसहारा लोगों का बन रहा सहारा
- बेघर परिवारों को लाया जा रहा आश्रय गृह, जरुरतमंदों को दिया जा रहा कंबल

10 रैन बसेरों में 212 बेघरों के रहने का है इंतजाम

राजधानी रांची में नगर निगम की तरफ से बेड और गद्दे व कंबल का इंतज़ाम किया गया है। इन रैन बसेरों की निगरानी के लिए रांची नगर निगम के पांच अधिकारियों की टीम बनाई गई है। इसके अलावा तकरीबन 25 फील्ड स्टाफ को भी लगाया गया है। जो प्रतिदिन रात में रैन बसेरों का निरीक्षण करते है। फील्ड स्टाफ बाहर लेटे लोगों को रैन बसेरे में ले जाते हैं। 10 रैन बसेरों में 212 बेघरों के रहने का इंतजाम किया गया है। साथ ही साथ यहां चिन्हित क्षेत्रों में अलाव की व्यवस्था की गई है ताकि लोगों को ठंड से राहत दिलाया जा सके। इसी तरह लातेहार नगर पंचायत क्षेत्र के लगभग 15 स्थानों पर बेघरों व राहगीरों के लिए अलाव की व्यवस्था की गई है। कार्यपालक पदाधिकारी श्री शेखर कुमार के अनुसार नीम चौक, माको मोड़, थाना चौक, धर्मपुर रोड, सत्यम कॉम्प्लेक्स, चन्दनडीह मोड़, ब्लॉक गेट के सामने, बस स्टैंड, बाईपास चौक, नवरंग चौक, दुरुवा, टेम्पू स्टैंड, सीआरपीएफ कैंप के सामने, शहीद चौक, जुबली चौक, लातेहार बाजारटांड़ में व्यवस्था की गई है। फलस्वरूप आम लोग कड़ाके की ठंड में भी राहत की सांस ले रहे हैं।

आश्रय गृहों में मिलने वाली सुविधाएं

- महिलाओं और पुरुषों के रहने की अलग-अलग व्यवस्था।
- असहाय और जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क भोजन की सुविधा।
- निःशुल्क स्नान एवं शौचालय की सुविधा।
- पाले से बचाव के लिए पर्याप्त सुविधाएं जैसे: रूम हीटर, बेड, लॉकर, कंबल, आरओ फ्रेश वाटर आदि की उपलब्धता।
- सुरक्षित पर्यावरण।

राज्य के नगर निकायों में संचालित किए जा रहे आश्रय गृहों की कुछ झलकियाँ।

बेघरों को रेस्क्यू वाहन पहुंचाएगा आश्रय गृह

दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM) अंतर्गत दिनांक 12.01.2022 को धुर्वा स्थित जुपमी भवन परिसर में नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार के तत्वावधान में डीएमए निदेशक विजया जाधव व राज्य स्तरीय आश्रय गृह निगरानी समिति के अध्यक्ष श्री एके पाण्डेय द्वारा संयुक्त रूप से राँची नगर निगम क्षेत्र में संचालित विभिन्न आश्रय गृहों तक असहाय एवं बेघर आश्रयविहीनों को सुगमता से पहुंचाने हेतु 2 रेस्क्यू वाहन को रवाना किया गया। मौके पर सहायक निदेशक श्री योगेन्द्र प्रसाद, राज्य मिशन प्रबंधक श्री कुमार बम, एचडीएफसी बैंक के क्षेत्रीय विपणन पदाधिकारी परविंदर सिंह तथा शाखा प्रबंधक शुभेश्वर झा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर आश्रय गृह संचालकों को रेस्क्यू वाहन की चाबी सौंपी गयी एवं निदेश दिया गया कि शहर के प्रमुख सड़कों, बाजार, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड जैसे जगहों पर नियमित रूप से भ्रमण कर बेघर व असहाय लोगों को आश्रय गृह तक पहुँचाया जाए।

● ठिठुरती ठंड में फुटपाथ पर सोने वालों को मिला सहारा

● रांची शहर के लिए दो रेस्क्यू वाहनों का शुभारंभ

आश्रय गृह संचालकों को रेस्क्यू वाहन की चाबी सौंपतीं डीएमए निदेशक विजया जाधव।

हुनर को मिली पहचान, जीवन में भर रहीं नित नई उड़ान

डे-एनयूएलएम के माध्यम से 'आपदा को अवसर' में बदलकर स्वयं सहायता समूह की महिलाएं हो रही हैं आत्मनिर्भर

कोरोना संक्रमण के कारण आई महामारी ने आम लोगों के रोजी-रोटी बुरी तरह से प्रभावित किया है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ शहरी क्षेत्र के लोगों के सामने भी बड़ा आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया। मगर ऐसी विषम परिस्थितियों में भी दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM) के माध्यम से शहरी क्षेत्र की स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को अपने हुनर को निखारने का मौका मिला और उन्होंने कोरोना जैसी आपदा को भी अवसर में बदला है।

इस कड़ी में मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत लगभग 380 दीदियों ने खुद को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम से कदम मिलाकर नई चुनौतियों का सामना करते हुए अपनी एक अलग राह बनाई। तमाम बाधाओं को पार करते हुए आज वे स्वयं का रोजगार स्थापित कर पूरे परिवार का भरण-पोषण कर रही हैं। इससे उनकी जिंदगी में फिर से खुशियों की इंट्री होने लगी है और हर दिन एक नया सवेरा होने लगा है।

राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को स्वरोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में नगर निकाय द्वारा आत्मनिर्भर बनाने का काम किया जा रहा है। महिलाएं भी काफी बढ़-चढ़कर इस कार्य में दिलचस्पी ले रही हैं। मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र में वर्ष 2021 में 125 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया था। जिसमें 38 स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को ऋण उपलब्ध कराते हुए स्वरोजगार से जोड़ा गया है। सरकार की ओर से प्राप्त लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में भी पहल की जा रही है।

मास्क बनाती स्वयं सहायता समूह की महिलाएं।

संघर्षरत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में जुटा है जमशेदपुर अक्षेस

संघर्ष व चुनौतियों का सामना कर आगे बढ़ने से ही जीवन की राह बनती है। कोरोना काल में ऐसा ही कुछ अलग कर दिखाया है जमशेदपुर अक्षेस क्षेत्र की महिलाओं ने। इनकी मुश्किलों को आसान किया है डे-एनयूएलएल योजना ने, जिसके तहत जेएनएसी ने ऐसे ही संघर्षरत परिवारों व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का कार्यक्रम आरंभ किया। दो साल पहले शुरू की गई इस योजना से आज शहर के लगभग 1000 परिवार आत्मनिर्भर बने और अपनी आजीविका चला रहे हैं। पिछले दो वर्षों में कुल 545 स्वयं सहायता समूह का गठन करते हुए 486 समूहों को चक्रीय निधि (Revolving Fund) और 431 सदस्यों को बैंकों से ऋण प्रदान कराया गया है।

आपदा पर हुनर भारी महिलाओं ने हुनर के जरिए बदले हालात

कोरोना ने पांडरपाला में रहने वाली 30 से अधिक महिलाओं की सोच बदल दी। पहले महिलाएं अलग-अलग ग्रुप में काम करती थीं। कोई मशरूम की खेती करती थी तो कोई मसाला बनाती थीं। कोरोना का प्रकोप बढ़ने के बाद समूह से जुड़ी महिलाओं की अपने उत्पाद बेचने से परेशानी होने लगी। किसी ने सच ही कहा है कि एक तरफ से परेशानी आती है तो दूसरी तरफ से उस परेशानी को दूर करने का हल भी साथ लाती है। ऐसा ही पांडरपाला की इन महिलाओं के साथ भी हुआ। कोरोना के कारण मास्क की डिमांड बढ़ गई। यह देख समूह की महिलाओं ने मास्क बनाना शुरू किया, लेकिन यह कारोबार भी काफी दिनों तक नहीं चला। मास्क से ही महिलाओं को कपड़ा सिलाई का आइडिया आया। इसके बाद 10 महिला समूहों को मिलाकर एक बड़ा समूह बनाकर इसे पांडरपाला महिला आजीविका क्षेत्रीय इस्टर संगठन नाम दिया गया। अब महिलाएं मास्क ही नहीं नाइटी, ब्लाउज, सलवार सूट, पेटीकोट और कुशन का निर्माण कर रही हैं। हर महिलाएं प्रतिमाह 5 से 7 हजार रुपये कमा रही हैं। बच्चों को अच्छे स्कूल भेज रही हैं। महिलाएं अब कपड़े की सप्लाई कोलकाता तक रही है।

आत्मनिर्भर होने के साथ-साथ समृद्ध भी हो रहे हैं स्ट्रीट वेंडर

राँची, धनबाद व जमशेदपुर क्षेत्र में हुआ 'स्वनिधि से समृद्धि' शिविर का आयोजन

धनबाद नगर निगम

'स्वनिधि से समृद्धि' शिविर की उपलब्धियां

राँची नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत पीएम स्वनिधि योजना के 3396 पात्र लाभुकों में से 2811 एवं उनके परिवार के सदस्यों सहित 6128 का सोशियो-इकोनॉमिक प्रोफाइलिंग करते हुए सरकार द्वारा संचालित 8 कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देते हुए 83% का उपलब्धि प्राप्त किया गया। इसी कड़ी में रांची नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत 2797 लाभुकों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का लाभ दिया गया। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 2171 लाभुकों को योजना से जोड़ा गया। साथ ही 953 पात्र लाभुकों को वन नेशन वन राशन कार्ड से आच्छादित किया गया। धनबाद नगर निगम क्षेत्र में योजना के 3877 पात्र लाभुकों में से 3541 एवं उनके परिवार के सदस्यों सहित 4090 का प्रोफाइलिंग किया गया। धनबाद नगर निगम क्षेत्र में योजना के 3877 लाभुकों में से 3541 एवं उनके परिवार के सदस्यों सहित 4090 का प्रोफाइलिंग किया गया।धनबाद क्षेत्र अंतर्गत 5258 लाभुकों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का लाभ दिया गया। जहां तक प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना की बात है तो 3218 पात्र लाभार्थियों को इस योजना से लाभान्वित किया गया। साथ ही 1595 लाभुकों को वन नेशन वन राशन कार्ड से आच्छादित किया गया। इसी प्रकार जमशेदपुर अक्षेस क्षेत्र अंतर्गत योजना के 2495 पात्र लाभुकों में से 2122 एवं उनके परिवार के सदस्यों सहित 4683 प्रोफाइलिंग किया गया। जो कुल प्रस्तावित लक्ष्य का 85% है। इस कड़ी में 3195 पात्र लाभार्थियों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, 2460 लाभुकों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा 504 लाभुकों को वन नेशन वन राशन कार्ड सहित अन्य योजनाओं का भी लाभ दिया गया।

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश के आलोक में नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार के तत्वावधान में पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना अंतर्गत राँची नगर निगम अंतर्गत अटल स्मृति वेंडर मार्केट व जमशेदपुर अक्षेस क्षेत्र अंतर्गत सोम मंडप, सिंदगोड़ा में दिनांक 03.01.2022 से 08.01.2022 पांच दिवसीय 'स्वनिधि से समृद्धि' शिविर का आयोजन किया गया।

इसके साथ ही धनबाद नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत दिनांक 04.01.2022 से 08.01.2022 तक अलग-अलग तिथियों में अलग-अलग स्थानों पर 'स्वनिधि से समृद्धि' शिविर का आयोजन किया गया। इस क्रम में दिनांक 04.01.2022 को सामुदायिक भवन, भंडराडीह, कतरास में दिनांक 05.01.2022, को योगा भवन भूली में दिनांक 06.01.2022 को तथा अंचल कार्यालय झरिया में दिनांक 07.01.2022 को एवं सिलाई प्रशिक्षण केंद्र सिंदरी में 'स्वनिधि से समृद्धि' शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर के दौरान पीएम स्वनिधि योजना के लाभुक व उनके परिवार के सदस्यों की सोशियो-इकोनामिक प्रोफाइलिंग की गई व उन्हें सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं यथा - प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना, BoCW अंतर्गत निबंधन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, एक राष्ट्र-एक राशन कार्ड योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना एवं रुपये कार्ड से जोड़ने हेतु आवेदन (Online/Offline) भरवाया गया।

शिविर के दौरान 'मैं भी डिजिटल 3.0' कार्यक्रम के तहत डिजिटल ऑनबोर्डिंग लेन-देन से संबंधित प्रशिक्षण देते हुए लक्ष्य को प्राप्त किया गया। इसके अलावा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म जोमैटो/स्विग्गी में ऑनबोर्ड हेतु इच्छुक पथ विक्रेताओं का तुरंत आवेदन भी कराया गया।

रांची नगर निगम

जमशेदपुर अक्षेस

'स्वनिधि से समृद्धि' शिविर की झलकियां

डीएमए निदेशक ने PMAY(U), डे-एनयूएलएम व MSY की प्रगति को लेकर नगर निकायों के साथ ऑनलाइन समीक्षात्मक बैठक की

योजनाओं के क्रियान्वयन में गति प्रदान करने और लक्ष्य हासिल करने पर जोर

नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग की निदेशक विजया जाधव की अध्यक्षता में दिनांक 10.01.2022 को विभिन्न नगर निकायों के साथ ऑनलाइन समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई। इस बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), डे-एनयूएलएम तथा मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान PMAY(U) के तहत वर्ष 2015-16 एवं 2016-17 के लंबित आवासों को लेकर इस योजना के विभिन्न घटकों के तहत खासतौर पर घटक-4 (BLC) के तहत आवास निर्माण लक्ष्य के अनुरूप हासिल न किए जाने पर डीएमए निदेशक द्वारा खासी नाराजगी जताई गई। उनके द्वारा स्पष्ट रूप से कहा गया कि जिन लाभुकों को आवास की राशि मिल चुकी है और उन्होंने किश्त मिलने के बावजूद आवास निर्माण अभी तक शुरू नहीं किया है, ऐसे लोगों को चिन्हित कर इस बारे में उनके नाम सहित ऋण वसूली का नोटिस तत्काल नगर निकायों के नोटिस बोर्ड पर चस्पा किए जाने के साथ ही उनसे राशि वसूली की कार्रवाई शुरू की जाए। बैठक में डीएमए निदेशक द्वारा अपने सभी विभागीय मातहत अधिकारियों को जल्द-जल्द से आधे-अधूरे आवास को पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ऐसा करने वाले लोगों की जगह दूसरे सुपात्र एवं जरूरतमंद लाभार्थियों के नाम से आवास आवंटन की प्रक्रिया शुरू की जाए। इसके साथ ही उन्होंने आवास निर्माण में बैंकों के साथ आ रही कागजात संबंधी के अलावा अन्य तकनीकी अड़चनों को तत्काल दूर करने की जरूरत पर बल दिया। डीएमए निदेशक ने स्पष्ट तौर पर कहा कि हर हाल में लक्ष्य के अनुरूप तय समय में आवास निर्माण को पूरा किया जाना है।

> राशि लेकर आवास नहीं बनाने वाले लोगों के नाम निकायों के नोटिस बोर्ड पर चस्पा करते हुए राशि वसूली की कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री श्रमिक योजना को अमल में लाएं।
> -डीएमए निदेशक

बैठक में निकायों को निदेश देतीं डीएमए निदेशक विजया जाधव।

तकनीकी अड़चनों को तत्काल दूर करने की जरूरत पर बल

निदेशक विजया जाधव ने आवास निर्माण में बैंकों के साथ आ रही कागजात संबंधी व अन्य तकनीकी अड़चनों को तत्काल दूर करने की जरूरत पर बल दिया। डीएमए निदेशक ने स्पष्ट तौर पर कहा कि हर हाल में लक्ष्य के अनुरूप तय समय में आवास निर्माण को पूरा किया जाना है। बैठक के दौरान विभिन्न निकायों से डे-एनयूएलएम की कार्य प्रगति के संबंध में जानकारी लेते हुए डीएमए निदेशक ने कहा कि प्रत्येक निकाय में लक्ष्य के अनुरूप ALFs का गठन सर्वोच्य प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके साथ ही हमें इस बात की भी कोशिश करनी चाहिए कि जरूरत हो तो हम एक ही बैंक के साथ बेहतर तालमेल बनाकर रखें ताकि स्वयं सहायता समूहों को क्रेडिट लिंकेज में किसी तरह की कोई दिक्कत पेश न आए। विभिन्न नगर निकायों द्वारा Revolving Fund के शत-प्रतिशत लक्ष्य को हासिल करने में देरी पर भी उन्होंने नाराजगी जताई। साथ ही विभिन्न निकायों में मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत लक्ष्य के अनुरूप श्रमिकों के अवसर न मिलने को भी गंभीरता से लेते हुए इसपर जल्द से जल्द अमल करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसा न हो कि जरूरतमंद श्रमिकों को काम के अभाव में खाली बैठना पड़े। इस बैठक में PMAY(U) कोषांग के स्टेट टीम लीडर श्री राजन कुमार व विशेषज्ञ श्री मुकेश झा, डे-एमयूएलएम के स्टेट मिशन मैनेजर श्रीमती सलोनी सिंह पाहवा, श्री कुमार बम, श्री अंतदेव समेत विभिन्न नगर निकायों के तमाम पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया।

'पीएम स्वनिधि' से मिली नई रफ्तार, बंद पड़े कारोबार में आई फिर से बहार

श्रीमती सुखोदा देवी, पति श्री हरिपदो लोहार, बिरसानगर जोन नंबर 3, जमशेदपुर अक्षेस क्षेत्र की निवासी हैं। उनके परिवार में चार सदस्य हैं। वे पिछले 10 वर्षों से शहर के बारीडीह पोस्ट ऑफिस मैदान के पास फुटपाथ पर सब्जी बेचती हैं। सब्जी बेचकर ही वे अपने परिवार का भरण-पोषण करती हैं।

जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के द्वारा फुटपाथ सर्वेक्षण में उन्हें स्ट्रीट वेंडर का कार्ड बनकर मिला, जिसके माध्यम से उन्होंने भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम स्वनिधि योजना के तहत 10,000/- रुपये के ऋण के लिए जेएनएसी में ऑनलाइन आवेदन किया, जिसके कुछ दिनों के उपरांत उन्हें भारतीय स्टेट बैंक की बारीडीह शाखा से यह लोन प्राप्त हो गया। यह ऋण प्राप्त होने के बाद उन्हें अपनी दुकान से अच्छी आमदनी होने लगी। पहले वे महीने में 8 हजार रुपये तक ही कमा पाती थीं, मगर अब उनकी मासिक आमदनी बढ़कर 10 से 12 हजार तक पहुंच गई है। इससे वह अपने बच्चों और परिवार को अच्छे तरीके से भरण-पोषण कर रही हैं। वर्तमान में वह अपने इस छोटे से कारोबार से काफी खुश हैं। उन्होंने अपने कारोबार में सहयोग के लिए सरकार, नगर निकाय के अधिकारीयों/कर्मियों एवं बैंक का आभार व्यक्त किया है। साथ ही उन्होंने अन्य फुटपाथ दुकानदारों व विक्रेताओं से भी पीएम स्वनिधि योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

श्रीमती सुखोदा देवी की सब्जी दुकान।

योजना की विशेषताएं

- बिना गारंटी 10 हजार, 20 हजार एवं 50 हजार तक का लोन।
- आवेदकों को ई-केवाईसी, एप्लीकेशन की प्रोसेसिंग और रियल टाइम मॉनिटरिंग जैसी सुवधाएं।
- ऋण का ससमय भुगतान पर ब्याज में 7 फ़ीसदी तक छूट।

नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार का प्रकाशन

राज्यभर के नगर निकायों में अब तक कुल 16884 फुटपाथ दुकानदारों को वेंडिंग सर्टिफिकेट प्रदान किया गया

स्ट्रीट वेंडर्स का बढ़ा आत्मसम्मान, क्यूआर स्मार्ट कार्ड से मिली नई पहचान

सर्टिफिकेट प्राप्त करने के उपरांत कार्यालय परिसर में ख़ुशी व्यक्त करते फुटपाथ विक्रेता (लातेहार)।

फुटपाथ विक्रेताओं को सर्टिफिकेट प्रदान करते अधिकारी (बुंडू)।

नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार के तत्वावधान में दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डे-एनयूएलएम) के तहत राज्यभर के सभी नगर निकायों में शहरी फुटपाथ विक्रेताओं को सर्वे कर क्यूआर आधारित स्मार्ट कार्ड एवं वेंडिंग सर्टिफिकेट प्रदान किया जा रहा है। ताकि, इनकी पहचान भारत सरकार के विशिष्ट वेंडरों की सूची में हो सके। साथ ही कोरोना महामारी जैसी विषम परिस्थितियों में भी वे सशक्त व समृद्ध बन सकें। इन दोनों कार्डों पर क्यूआर कोड रहेगा। जिसे स्कैन करते ही, फुटपाथ दुकानदार की सारी जानकारी सामने आ जाएगी। वह कितने दिनों से फुटपाथ पर दुकान लगा रहे है और क्या बेचतें है। आने वाले दिनों में सभी नगर निकायों में वेंडरों को चिन्हित कर बचे हुए फुटपाथ विक्रेताओं को इसी प्रकार का आईडी कार्ड प्रदान कर प्रदान किया जाएगा। साथ ही वैसे जरुरतमंद शहरी फुटपाथ विक्रेता जिन्होंने अभी तक पीएम स्वनिधि योजना के तहत ऋण के लिए आवेदन नहीं दिया है उनकी पहचान कर आवेदन के लिए जागरूक किया जा रहा है और जिन स्ट्रीट वेंडर्स को 10,000 रुपये का ऋण मिल गया है और उन्होंने बैंक में इसे चुकता कर दिया है तो उन्हें अगले चरण के 20,000 रुपये का आवेदन देने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। शहर में बनने वाले वेंडिंग जोन में वैसे ही फुटपाथ विक्रेताओं को स्थान मिलेगा जो नगर नगर क्षेत्र अंतर्गत चिन्हित किए गए हैं और जिनको यह सर्टिफिकेट प्रदान किया गया है।

नगर निकायों में कार्यक्रम का आयोजन कर दिया जा रहा है वेंडिंग सर्टिफिकेट

दिनांक 07.01.2022 को कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए लातेहार नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत विभागीय कार्यालय परिसर में 21 शहरी फुटपाथ विक्रेताओं को स्मार्ट कार्ड एवं वेंडिंग सर्टिफिकेट प्रदान किया गया एवं दिनांक 03.01.2022 को बुंडू नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत विभागीय कार्यालय में 120 पथ विक्रेताओं को क्यूआर आधारित स्मार्ट कार्ड एवं क्यूआर आधारित वेंडिंग सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। इससे पहले नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत 641 शहरी फुटपाथ विक्रेताओं का सर्वे किया गया था। इस सर्वे कार्य के पूरा होने के उपरांत विभाग द्वारा प्रथम चरण में 241 पथ विक्रेताओं को क्यूआर आधारित स्मार्ट कार्ड एवं क्यूआर आधारित वेंडिंग सर्टिफिकेट प्रदान किया था। आयोजित कार्यक्रम में बुंडू नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत अध्यक्ष, नगर प्रबंधक, नगर मिशन प्रबंधक एवं कार्यालय के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

शीर्ष 5 शहरी नगर निकायों की उपलब्धि

मानगो नगर निगम	1754
रांची नगर निगम	1410
देवघर नगर निगम	1397
हजारीबाग नगर निगम	1088
धनबाद नगर निगम	865

जीरो वेस्ट थीम, रांची नगर निगम की नई मुहिम

झारखण्ड की पहली जीरो वेस्ट मैरेज सेरेमनी, स्वाहा वैन (वेस्ट कंपोस्टर मशीन) में ऑन द स्पॉट कचरे को रिसाइकिल कर बनाया गया खाद

रांची नगर निगम क्षेत्र में आयोजित शादी समारोह की तस्वीर

राजधानी रांची को प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने के लिए डीएमए के तत्वावधान में नगर आयुक्त की अनूठी पहल पर रांची नगर निगम ने दिनांक 20.01.2022 को जीरो वेस्ट इवेंट की थीम पर प्रेरणादायी शादी का आयोजन कराकर अनोखा संदेश दिया है।

मेहमानों को मिट्टी के बने प्लेट-कटोरी में खाना परोसा गया। मिट्टी के ग्लास में पानी दिए गए। टी के लिए कागज के कंटेनर का इस्तेमाल किया गया। क्योंकि, ये आसानी से नष्ट हो सकते हैं। पार्टी के बाद जो खाद्य सामग्री बच गई, उसे मौके पर ही वेस्ट कंपोस्टर मशीन से रिसाइकिल कर खाद बनाया गया। ऐसा पहली बार हुआ कि 60 से अधिक मेहमानों के आने के बावजूद एक भी प्लास्टिक से बने कप-प्लेट-ग्लास का इस्तेमाल नहीं हुआ। इस शादी की साज-सजावट में भी किसी प्रकार के आर्टिफ़िशियल फूल का उपयोग नहीं किया गया। बल्कि जगह-जगह असली फूल लगाए गए थे। जब समारोह खत्म हुआ तो सारे फूलों को तोड़कर बायो कंपोस्टिंग मशीन में डाल दिया गया, ताकि वह भी खाद बन सके। जीरो वेस्ट मैरेज करने से इस फैमिली को करीब 50 हजार रुपये की बचत हुई।

महत्वपूर्ण बिंदु

- पॉलिथीन से पर्यावरण को हो रहे नुकसान को देखते हुए किया गया पहल
- जीरो वेस्ट मैरेज से तकरीबन 50 हजार रूपये की हुई बचत
- जीरो वेस्ट पार्टी से कुम्हारों को भी होगा फायदा

नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार का प्रकाशन

परवान चढ़ी 'स्वच्छ सर्वेक्षण 2022' की तैयारी राज्यभर के नगर निकाय निभा रहे अपनी पूरी भागीदारी

'स्वच्छ सर्वेक्षण 2022' का समय जैसे-जैसे नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्यभर के विभिन्न नगर निकायों में 'स्वच्छ सर्वेक्षण 2022' की तैयारी परवान चढ़ती जा रही है। इस कड़ी में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। 'स्वच्छ सर्वेक्षण 2022' की तैयारी के तहत मानगो नगर निगम ने दिनांक 11.01.2022 को स्वच्छ टेक्नोलॉजी प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया। प्रतियोगिता में कचरा को दोबारा उपयोग के लिए रचनात्मक, प्रभावशाली या उपयोगी सुझाव लोगों से मांगा गया था।

नुक्कड़ नाटक के जरिए छात्रों ने दिया स्वच्छता का संदेश

स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 अंतर्गत 'स्वच्छ सर्वेक्षण 2022' के गाइडलाइन के तहत जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति कार्यालय में मंगलवार को स्वच्छ प्रतियोगिता के श्रेणी में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इसमें उत्कल समाज विद्यालय, ग्रीन कैप्स एवं यंग उड़ान ने हिस्सा लिया। उत्कल समाज विद्यालय के छात्रों ने शौचालय के उपयोग एवं शरीर की साफ-सफाई का संदेश दिया। ग्रीन कैप्स की टीम ने आस-पास की साफ-सफाई एवं यंग उड़ान की टीम ने डस्टबिन के उपयोग के साथ-साथ शौचालय के उपयोग का संदेश दिया। साथ ही सिटीजन इंगेजमेंट के तहत बच्चों के बीच वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। वॉल पेंटिंग का उद्देश्य शहर के लोगों में स्वच्छता को लेकर जागरूकता पैदा करना है। आगे भी बच्चों के लिए इस तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता रहेगा।

दो श्रेणियों में होगा प्रतियोगिता का मूल्यांकन

इस प्रतियोगिता का मूल्यांकन दो श्रेणी में किया जाएगा। पहली श्रेणी में जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति की ओर से और दूसरी श्रेणी में जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के फेसबुक पेज पर नुक्कड़ नाटक के वीडियो को अपलोड कर वीडियो पर लाइक्स के आधार पर किया जाएगा।

जमशेदपुर अक्षेस अंतर्गत आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता की झलक।

बच्चों को ठोस कचरा प्रबंधन के बारे में किया गया जागरूक

इधर, जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत भी कंपोस्टिंग सह पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। उक्त कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को ठोस कचरा प्रबंधन के बारें में जागरूक किया गया। जुगसलाई में प्रतिदिन 9 टन गीला कचरा निकलता है, जिसका कंपोस्टिंग से निस्तारीकरण करना आसान है। उन्होंने लोगों को गीले कचरे से खाद बनाने की विधि बताई। मौके पर श्री नवीन कुमार, ब्रांड एंबेसेडर आशा शर्मा, चंद्रलता जैन समेत नगर प्रबंधक उपस्थित थे। इस तरह के आयोजनों से लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और राज्य के नगर निकायों को भारत के शीर्ष 10 सबसे स्वच्छ शहरों में रैंकिंग प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

बेहतर कार्य एवं योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए सम्मान

डीएमए द्वारा संचालित राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु यह सम्मान दिया गया।

कार्यक्रम में नगर निकायों के अधिकारियों को सम्मानित करते माननीय मंत्री श्री मिथिलेश ठाकुर, डीएमए एवं नगर निकायों के अधिकारीगण (बाएं से दाएं)।

नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार के तत्वावधान में राज्यभर में संचालित योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए दिनांक 22.01.2022 दिन शनिवार को विभाग के सहयोग से एक प्रतिष्ठित मीडिया हाउस की ओर से रांची के डोरंडा स्थित पलाश ऑडिटोरियम में आयोजित ''इमर्जिंग झारखंड'' कार्यक्रम के तहत विभिन्न नगर निकायों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर राज्य के माननीय मंत्री श्री मिथिलेश ठाकुर (पेयजल एवं स्वच्छता), डीएमए निदेशक विजया जाधव, झारखंड के मुख्य वन संरक्षक, ग्रामीण एसपी रांची एवं अन्य गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

अकुशल श्रमिकों के लिए वरदान से कम नहीं है मुख्यमंत्री श्रमिक योजनाः डीएमए निदेशक

राज्य में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के विभिन्न बिन्दुओं पर प्रकाश डालते हुए डीएमए निदेशक विजया जाधव ने इस मंच से योजना सम्बन्धी विभागीय उपलब्धियों को साझा किया। उन्होंने बताया की कोरोनाकाल की विषम परिस्थितियों से लड़ते हुए प्रवासी श्रमिकों के लिए रोजगार सृजन संबंधी एवं ऐसी विषम परिस्थिति में योजना के सफल क्रियान्वयन के विभिन्न चुनौतियों पर युद्ध स्तर से कार्य करते हुए मुख्यमंत्री श्रमिक योजना अंतर्गत अबतक 50749 जॉब कार्ड निर्गत किये जा चुकें हैं। साथ ही 855902 मानव दिवस कार्य सृजित किया गया है।

मिलेनियम सिटी 10 लाख की आबादी श्रेणी में जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति को प्रथम पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं नगर निगम की श्रेणी में देवघर नगर निगम को प्रथम एवं मेदनीनगर को द्वितीय पुरस्कार मिला। नगर परिषदों की श्रेणी में गोड्डा नगर परिषद को प्रथम व झुमरीतिलैया नगर परिषद को द्वितीय अवार्ड दिया गया। नगर पंचायतों की श्रेणी में लातेहार नगर पंचायत को प्रथम एवं बुंडू नगर पंचायत को द्वितीय अवार्ड देकर नगर मिशन प्रबंधकों को सम्मानित किया गया।

जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति को दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन में उत्कृष्ट कार्य के लिए नगर मिशन प्रबंधक श्री राकेश आनंद, श्री सलिल तिर्की एवं मो. अनवर हुसैन को मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। नवसृजित नगर निकाय श्रेणी में नगर पंचायत धनवार को दीनदयाल अंत्योदय योजना कार्यक्रम में बेहतर कार्य के लिए प्रथम स्थान आने पर श्री रामगोपाल पाण्डेय को पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के माननीय मंत्री श्री मिथिलेश ठाकुर एवं डीएमए की निदेशक विजया जाधव ने संयुक्त रुप से मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उक्त अवसर पर धनवार नगर पंचायत के नगर मिशन प्रबंधक श्री संजीत कुमार साहू एवं नगर प्रबंधक श्री राम कुमार श्रीवास्तव उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना ने दिया सहारा, सूझबूझ और कड़ी मेहनत से खड़ा किया खुद का रोजगार

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना भले ही किसी श्रमिक के लिए 100 दिन का रोजगार का साधन हो सकती है परंतु हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र के मोहनी देवी जॉब कार्ड सं. 2021-110133-37, पति केदार पासवान के लिए यह मील का पत्थर साबित हुई।

मोहनी देवी बहुत गरीब परिवार की महिला है, जिसे बीते 2 वर्षों से लॉक डाउन की मार ने बेबस और लाचार कर दिया था। मोहनी देवी किसी तरह करके दो वक्त की रोटी जुटा पा रही थी। ऐसे समय में पति की खराब तबीयत और घर की माली हालत मोहनी देवी की आर्थिक परेशानियों को और भी बढ़ा रहे थे। इसी परेशानियों के बीच मोहनी देवी की मुलाकात क्षेत्र के सामुदायिक संसाधन सेविका श्रीमती सुनीता देवी से हुई। वास्तव में यह दिन मोहनी देवी के लिए अति सुखदायी था। CRP दीदी श्रीमती सुनीता देवी ने उनकी परेशानी जानने के बाद उन्हें मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के बारे जानकारी देते हुए योजना में निबंधन हेतु तत्काल आवेदन भरवाया और कुछ सामान्य प्रक्रियाओं के बाद तुरंत उनका जॉब कार्ड निर्गत करते हुए वार्ड संख्या चार स्थित झील में साफ सफाई का काम भी दे दिया।

श्रमिकों को मिल रहा रोजगार, संवर रहा राज्य

लगातार 20 दिनों के काम करने के उपरांत उन्हें 5900 रूपये पारिश्रमिक मिला। इस विषम परिस्थिति में योजना अंतर्गत मिले पारिश्रमिक से मानो इनके सपनों को पंख लग गया। मोहनी देवी ने इस पैसे से स्वरोजगार हेतु एक ठेला और कुछ खाद्य सामग्रियां खरीदीं। उनका काम और उनकी मेहनत रंग लाई। वह आत्मनिर्भर होकर सिरसी चौक में झारखंड की प्रसिद्ध जलपान बरा, कचरी एवं धुसका बेच रहीं हैं, और काफी खुश हैं। साथ ही उन्होंने हजारीबाग नगर निगम अंतर्गत स्ट्रीट फ़ूड वेंडर्स का भी प्रशिक्षण प्राप्त किया। स्वच्छता एवं सादगी उनकी विशिष्ट पहचान बन गई। अब वह प्रतिदिन 500 रूपये से 1000 रूपये कमा कर अपनी आजीविका चला रहीं हैं एवं अन्य लोगों के लिए एक मिसाल भी कायम की है। साथ ही दुःख से ग्रसित दिनों में प्रारंभिक मदद के लिए मोहनी देवी ने CRP दीदी एवं निकाय के अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए हृदय से आभार व्यक्त किया है।

आत्मनिर्भरता की मिसाल मोहनी देवी।

मिला पक्का मकान, जीवन ने भरी नई उड़ान

मिलने लगा है गरीबों को आवास, सरकार के प्रति बढ़ रहा विश्वास

मो. अमजद का पूर्व का कच्चा मकान। 1

2 PMAY(U) के तहत निर्मित आवास।

मो. अमजद, पिता-मो. सलीम नगर परिषद, चतरा के वार्ड संख्या-14 के अंसार मुहल्ले में पिछले 40 वर्षों से निवास करते आ रहे हैं। मो. अमजद के परिवार में कुल पांच सदस्य हैं। वे बाजार में सब्जी बेचने का काम करते हैं। इससे हुई कमाई से ही वे अपने परिवार का जीविकोपार्जन कर रहे हैं। इनकी आर्थिक स्थिति काफी दयनीय एवं सीमित है, ऐसे में इनके लिए अपना पक्का मकान जैसी मूलभूत आवश्यकता को पूरा करना एक सपने जैसा था। जिसके कारण वे खुद का पक्का मकान बनाने के बारे में सोच भी नहीं सकते थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) का लाभ मिलने के पूर्व इनके पास खुद का एक कच्चा मकान था, जिसमें परिवार के पांच सदस्यों के साथ इन्हें रहने में काफी परेशानी होती थी। साथ ही कच्चे मकान में बिजली, पानी एवं शौचालय जैसी कोई सुविधा नही थी जिस कारण बच्चों के पढाई लिखाई में भी दिक्कत होती थी।

वास्तव में वह दिन मो. अमजद के लिए अति सुखदायी था, जिस दिन चतरा नगर परिषद के अधिकारियों द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के बारे में जानकारी देते हुए उनसे आवास निर्माण हेतु आवेदन भरवाया गया और कुछ सामान्य प्रक्रियाओं के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के एक लाभुक के रूप में उनका चयन भी कर लिया गया। इस योजना के तहत सरकार द्वारा उन्हें कुल सहयोग राशि (रु. 2,25,000/-) विभिन्न किश्तों में निर्धारित समयावधि में प्राप्त होते गयी और कुछ ही समय में देखते ही देखते उन्होंने इस सहयोग राशि से अपने सुन्दर आशियाने का निर्माण पूर्ण कर लिया। सरकार के सहयोग से इनके इस नए घर में सभी तरह की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं।

इस घर में इनका पूरा परिवार अब काफी सुख-शांति व सुकून के साथ रह रहा है। इसके लिए मो. अमजद ने केंद्र व राज्य सरकार तथा नगर निकाय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए हृदय से आभार व्यक्त किया है।

सिमडेगा नगर परिषद

असहाय पतरस केरकेट्टा को मिला आश्रय गृह का सहारा

आश्रय विहीनों को दी जा रही है सभी आवश्यक सुविधाएं

पतरस केरकेट्टा, योजनान्तर्गत कार्यरत कर्मी के देख-रेख में चिकित्सकीय उपचार का लाभ उठाते।

माह अक्टूबर से जनवरी तक राज्य के सभी नगर निकाय कड़ाके की ठण्ड के प्रकोप से जकड़े रहते हैं। ऐसी स्थिति में आश्रयविहीनों के लिए तीन माह गुजारना अत्यन्त ही कठिन होता है। इतनी ठण्ड में लोग घर से बाहर तक नहीं निकलते हैं इस स्थिति में वैसे लोग जिनका आश्रय नहीं होता वे लोग फुटपाथ में, बस पड़ाव में यहाँ तक की खुले में सोने के लिए विवश हो जाते हैं और इन में से कईयों को ठण्ड लगने के कारण मृत्यु तक हो जाती है।

नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार के तत्वावधान में राज्यभर के नगर निकायों ने दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM) के तहत सभी नगर निकायों में शहरी आश्रयविहीनों के लिए आश्रय की सारी मूलभूत व्यवस्था आश्रयगृह में की गई है। जिनमें नगर परिषद सिमडेगा द्वारा वीर बुध्दू आश्रय गृह संचालित की जा रही है।

योजनान्तर्गत दिनांक-27.01.2022 को सिमडेगा के साप्ताहिक बाजार ठांड से वीर बुध्दू आश्रय गृह के सम्पर्क सुत्र से सम्पर्क किया गया कि किसी पतरस केरकेट्टा नामक वृद्ध व्यक्ति बाजार स्थित शेड में पड़ा हुआ है, जो अत्यंत दयनीय अवस्था में है। जिसके तत्काल बाद नगर परिषद सिमडेगा में कार्यरत सामुदायिक संगठनकर्ता श्री प्रमोद बारला एवं वीर बुध्दू आश्रयगृह के केयर टेकर के द्वारा नगर परिषद के वाहन से बचाव अभियान कर उस वृद्ध व्यक्ति को आश्रय गृह लाया गया।

पतरस केरकेट्टा नामक वृद्ध व्यक्ति को वीर बुध्दु आश्रय गृह में लाने के बाद पूछताछ के क्रम में पता चला की वो सिमडेगा क्षेत्र के गाँव जराकेल बानो से हैं एवं अत्यंत गरीब हैं और भटकते हुये सिमडेगा नगर परिषद क्षेत्रान्तर्गत आ गयें हैं। उन्हें ये समझ में नहीं आ रहा था कि इतनी ठण्ड में कहाँ आश्रय लें। ठंढ के कारण वे पूरी तरह से बीमार भी हो गये थे। इतने में एक भले इन्सान ने नगर परिषद द्वारा संचालित वीर बुध्दू आश्रयगृह में सर्म्पक कर दिया और इस तरह उन्हें नगर परिषद के कर्मी एवं वीर बुध्दू आश्रय के केयर टेकर द्वारा आश्रयगृह में लाया गया। चूँकि ये बाहर से थे और किसी तरह की भी जानकारी नही होने एवं ठण्ड में बाहर रात गुजारने के कारण इनकी तबीयत खराब हो गई थी। अतः योजनान्तर्गत कार्यरत कर्मी उन्हें सदर अस्पताल सिमडेगा में भर्ती कराते हुए उचित देखभाल भी कर रहें हैं। अभी वर्तमान में योजनान्तर्गत कार्यरत कर्मी एवं आश्रय के केयर टेकर देख-रेख में पतरस केरकेट्टा चिकित्सकीय उपचार का लाभ ले रहें हैं।

इस तरह आज इन जैसे हजारों आश्रयविहीनों को डीएमए के तत्वावधान में सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना अंतर्गत सभी नगर निकायों में शहरी आश्रयविहीनों के लिए आश्रयगृह, आश्रय की सारी मूलभूत व्यवस्था के साथ वरदान साबित हो रही है।

बुंडू नगर पंचायतः एक नजर में

कुल जनसंख्या		साक्षरता दर		कुल क्षेत्रफल
21,054	पुरुष : 51% महिला : 49%	75.21	पुरुष : 83.40% महिला : 66.68%	18 वर्ग किलोमीटर

वार्डों की कुल संख्या 13

अध्यक्षः श्री राजेश उरांव, उपाध्यक्षः श्री सुनील जयसवाल , कार्यपालक पदाधिकारीः श्री अजय कुमार साव

प्राकृतिक संपदा से भरपूर ऐतिहासिक व सांस्कृतिक धरोहरः बुंडू नगर पंचायत

बुंडू राज्य के राजधानी रांची का एक अधिसूचित क्षेत्र है। यह रांची और जमशेदपुर के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग-33 पर स्थित है और प्राकृतिक सुंदरताओं एवं सम्पदाओं से युक्त है। बुंडू को 1967 में नगर पंचायत का दर्जा मिला। प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता होने के कारण इस क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियां बनी रहती है। बुंडू नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति निर्माणाधीन है, जो लगभग 15011 ऊँचा होगा, यह आने वाले दिनों में इस क्षेत्र में पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र भी होगा। बुंडू धान के खेती के लिए भी प्रसिद्ध है। बुंडू नगर स्थित 101 एकड़ जमीन पर फैला बुंडू का बड़ा तालाब राज्य का सबसे बड़ा तालाब है। बुंडू का रानी चुआं भी एक प्राकृतिक धरोहर है। **बुंडू बड़ा तालाब को साफ़-सफाई एवं पुर्णोद्धार का कार्य कुछ ही दिन पूर्व मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत निबंधित श्रमिकों से कराया गया था।** बुंडू क्षेत्र के 10 एकड़ भूमि पर कचरा निस्तारण प्लांट का भी निर्माण करवाया जा रहा है। कचरा प्लांट में एकत्र किए गए कचरे से कांच, कागज, धातु, प्लास्टिक, कपड़े, एवं इलेक्ट्रॉनिक्स सहित अलग-अलग पदार्थ की छंटाई का काम होगा। ताकि इसे वापस काम में लाया जा सके। इसके अलावा कचरा प्लांट में कचरा से जैविक खाद भी बनाई जाएगी।

योजना एक नजर में

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)

बुंडू नगर पंचायत में ''प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)'' अंतर्गत चतुर्थ घटक के तहत वर्ष 2015 से 2020 तक कुल 775 आवासों की स्वीकृति दी गई, जिसमें से 657 आवास का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल 345 आवासों को स्वीकृति मिली है, जिसे युद्धस्तर पर पूर्ण कराया जा रहा है साथ ही घटक-3 अंतर्गत 80 आवासों का निर्माण किया जा रहा है जिसमे अबतक कुल 42 लाभुकों को आवासों का आवंटन किया जा चुका है।

दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी अजीविका मिशन (DAY-NULM)

'दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी अजीविका मिशन (DAY-NULM)' अंतर्गत वर्ष 2016- 17 से अबतक कुल 115 स्वयं सहायता समूह का गठन का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है। 8 ALF का भी गठन किया गया है। वित्तिय वर्ष 2021-22 में स्वयं सहायता समूहों के कुल 6 क्रेडिट लिंकेज के लक्ष्य के विरुद्ध 11 ग्रुप ने क्रेडिट लिंकेज स्कीम के तहत लोन प्राप्त किया। SEP-I, व्यक्तिगत स्वरोजगार कार्यक्रम के तहत वित्तीय वर्ष 2021-22 में 7 के लक्ष्य के विरुद्ध कुल 11 लाभुकों को ऋण प्रदान किया जा चुका है।

पीएम स्वनिधि योजना

पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल आवंटित लक्ष्य 400 के विरुद्ध अबतक 324 स्ट्रीट वेंडर्स को प्रथम किस्त की राशि उपलब्ध कराई गई है। साथ ही 10 स्ट्रीट वेंडर्स को द्वितीय किस्त की राशि भी उपलब्ध कराई गई।

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना अंतर्गत बुंडू क्षेत्र में वितीय वर्ष 2021-22 में कुल 406 जॉब कार्ड निर्माण के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक कुल 457 जॉब कार्ड निर्गत किया गया। साथ ही 3683 मानव दिवस के लक्ष्य के विरुद्ध 4726 दिनों का कार्य आवंटन किया जा चुका है।

प्रमुख धार्मिक व पर्यटन स्थल

- सूर्य मंदिर
- देवड़ी मंदिर
- दशम जलप्रपात
- रानी चुआं

डीएमए के तत्वावधान में बुंडू नगर पंचायत के अधिकारियों ने लक्ष्य के अनुरूप उक्त योजनाओं के सफल क्रियान्वयन एवं संचालन में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। पंचायत क्षेत्र के सभी अधिकारी बधाई के पात्र हैं। साथ ही डीएमए बुंडू नगर पंचायत क्षेत्र के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

संरक्षक
श्री हेमंत सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री

संपादक
विनय कुमार चौबे
सचिव
नगर विकास एवं आवास विभाग

कार्यकारी संपादक
विजया जाधव
निदेशक
नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग

यह पत्रिका विभाग के कार्यों के प्रति जन जागरूकता के उद्देश्य से प्रकाशित है।

दैनिक अखबारों में प्रकाशित नगर निकायों के गतिविधियों की कुछ

झलकियां

ब्रीफ न्यूज

बिना मास्क के दुकानदारों को दी गयी चेतावनी

जमशेदपुर. कोरोना को लेकर शनिवार को मानगो व डिमना बाजार में मास्क जांच अभियान चलाया गया. इस दौरान दुकानदारों और लोगों को जागरूक किया गया. इस दौरान मास्क नहीं पहने लोगों को कार्यपालक पदाधिकारी दीपक

आवास शुरू नहीं करने वालों को नोटिस थमाने का निर्देश

पीएम आवास

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना को अमल में लाएं

जुगसलाई जीरो वेस्ट इवेंट्स के तहत स्वच्छ बर्थ डे पार्टी

आत्मनिर्भर वार्ड के रूप में वार्ड छह का चयन

स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 की प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागी पुरस्कृत

अक्षेस ने होटल व स्कूलों का किया मूल्यांकन

स्वच्छता प्रतियोगिता में प्रियंका झा रहीं अव्वल

कौशल प्रशिक्षण लेने वाले लाभुकों को मिला यूनिफॉर्म

एक साल में राज्य के आश्रय गृहों में 2.48 लाख लोगों ने गुजारी रात

रांची में बना आश्रय गृह

आश्रय गृह में सुविधाएं

स्वच्छता प्रतियोगिता की अंतिम तिथि कल

बेहतर रैंकिंग दिलाने के लिए मानगो के लोग प्रतियोगिता में ले सकते हैं हिस्सा

जेएनएसी कर्मियों को मिला स्वच्छता चैंपियन सम्मान

जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति. दो दिन से कार्य में जुटे हैं सफाई मित्र

सुभाष चंद्र बोस मैदान सज कर तैयार

लाइफ रिपोर्टर @ जमशेदपुर

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में साकची सुभाष चंद्र बोस मैदान (आम बागान) स्थित उनकी प्रतिमा व उसके आसपास सफाई का कार्य किया गया. पिछले दो दिन से जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के सफाई मित्र मैदान, प्रतिमा के आसपास सफाई, रंग-रोगन में जुटे हैं. विशेष पदाधिकारी कृष्ण कुमार के आदेश पर स्वच्छता निरीक्षक शांतनु घोष ने सफाई मित्रों की टीम लगाकर साफ-सफाई सुनिश्चित की.

जेएनएसी ने पहनाया चश्मा : सफाई के दौरान नेताजी की प्रतिमा से चश्मा गायब पाया गया. जिसके बाद जेएनएसी की ओर से नया चश्मा बना कर प्रतिमा में लगाया गया है. भविष्य में स्थायी चश्मा लगाने पर भी विचार किया जा रहा है.

प्रगति सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में मनी नेताजी जयंती

जमशेदपुर. बिरसानगर स्थित प्रगति सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में नेताजी जयंती की पूर्व संध्या पर एक कार्यक्रम हुआ. इसका उद्घाटन जमशेदपुर विभाग प्रमुख पंकज कुमार मिश्र ने किया. मौके पर उन्होंने कहा कि नेताजी स्वतंत्रता संग्राम के अग्रिम नेता थे. स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष भोला कुमार मंडल, प्रिंसिपल सुरेश कुमार राय, शिक्षिका विभा सिंह ने भी नेताजी के बारे में विचार व्यक्त किये. कार्यक्रम का संचालन स्मिता लकड़ा ने किया.

आरवीएस एकेडमी : आरवीएस एकेडमी में नेताजी की 125वीं जयंती वर्चुअल मोड में मनायी गयी. स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बिंदा सिंह ने नेताजी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया. प्रिंसिपल वीशा मोहिंद्रा एवं वाइस प्रिंसिपल अनीता तिवारी उपस्थित थीं. छात्र आयुष कुमार ने भाषण, छात्रा महाश्वेता दास ने गीत प्रस्तुत किया.

नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार

Follow us on : @JharkhandDMA , Website : dmajharkhand.in

1st Floor, JUPMI Building, Beside H.E.C Headquarter, Dhurwa, Ranchi -834004, Jharkhand.